INTERNATIONAL CONFERENCE ON LITERATURE,SOCIETY AND MEDIA

ICLSGM-2025

DATES-20TH -21ST SEPTEMBER 2025

ORGANISED BY

P.G DEPARTMENT OF ENGLISH, MAHARAJA COLLEGE,ARA

IN COLLABORATION WITH RESEARCH CULTURE SOCIETY

JAIN(DEEMED TO BE) UNIVERSITY , BENGALURU

INTERNATIONAL LANGUAGE COUNCIL

साहित्य व मीडिया पर हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रतिनिधि, आरा

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि.

महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी के पीजी विभाग में साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया (आइसीएलएसजीएम 2025) पर शनिवार से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन शुरू हुआ. यह कार्यक्रम 21 सितंबर तक चलेगा. इस आयोजन ने 21वीं सदी में साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया के विस्तार परिदृश्य के बीच गतिशील परस्पर क्रिया का पता लगाने के लिए भारत और दुनिया भर के विद्वानों, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और छात्रों को एक साथ लाया. विभिन्न समुदायों से साहित्य और मीडिया में शक्ति, आवाज और प्रतिनिधित्व का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण, साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन) का उद्देश्य अंतर-सांस्कृतिक संवाद और अंतःविषय छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है जो इस बात की जांच करता है कि साहित्य तेजी से मीडिया प्रसार के युग में सामाजिक पहचान, सार्वजनिक प्रवचन और सांस्कृतिक स्मृति को कैसे प्रतिबिंबित करता है और उसे नया रूप देता है. इस सम्मेलन में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों, मीडिया सिद्धांतकारों और सांस्कृतिक अध्ययन विशेषज्ञों ने भाग लिया और भारत और विदेशों से लगभग सौ प्रतिभागियों के साथ विद्वत्तापूर्ण चर्चाएं और तकनीकी सत्र आयोजित किये गये. दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान, समानांतर शोध-पत्र सत्र, पैनल चर्चाएं, गोलमेज सम्मेलन और इंटरैक्टिव कार्यशालाएं शामिल हैं. मुख्य वक्ताओं ने डिजिटल कहानी-कथन, अंतरराष्ट्रीय साहित्य, मीडिया नैतिकता और अभिलेखीय प्रथाओं पर चर्चा की. विषयगत शोध-पत्र सत्रों में साहित्य, समाज, सामाजिक परिवर्तन, डिजिटल मीडिया, अनुवाद, उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन और वैश्विक मीडिया संदर्भों में गैर-पश्चिमी आख्यानों पर चर्चा की गयी, जिसमें पैनल चर्चाएं नीतिगत निहितार्थों, मीडिया साक्षरता और सांस्कृतिक कूटनीति पर केंद्रित थीं. उद्घाटन समारोह और विशिष्ट मुख्य वक्ताओं द्वारा उद्घाटन भाषण डॉ सेदिघे जमानी रूदसारी, अकादमिक समन्वयक/टीइएसओएल प्रशिक्षक, ऑबर्न ग्लोबल/पाठ्यक्रम और शिक्षण, ऑबर्न विश्वविद्यालय, यूएसए, आरसीएस चैप्टर प्रमुख - अलबामा, यूएसए, डॉ शीबा सरदार अली, भारत और सऊदी अरब साम्राज्य में शिक्षण का 15 वर्षों का अनुभव. प्रो. उदय शंकर ओझा, अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर, जेपीयू छपरा, डॉ. चिराग पटेल, 'रिसर्च कल्चर सोसाइटी' के निदेशक, 'अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संघ' के अध्यक्ष आदि मौजूद थे.

जिला पदाधिकारी मोजपुर द्वारा पदाधिकारी उपस्थित रहे। जाए। पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आराः महाराजा कॉलेज आरा पी जी अंग्रेजी विभाग ने 20 और 21 सितंबर 2025 को साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया (आईसीएलएसजीएम 2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन और मेजबानी की। इस ऐतिहासिक आयोजन ने 21वीं सदी में साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया के विस्तार परिदृश्य के बीच गतिशील परस्पर क्रिया का पता लगाने के लिए भारत और दुनिया भर के विद्वानों, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और छात्रों को एक साथ लाया।

विभिन्न समुदायों से साहित्य और मीडिया में शक्ति, आवाज और प्रतिनिधित्व का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) का उद्देश्य अंतर-सांस्कृतिक संवाद और अंतःविषय छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है जो इस बात की जांच करता है कि साहित्य तेजी से मीडिया प्रसार के युग में सामाजिक पहचान, सार्वजनिक प्रवचन और सांस्कृतिक स्मृति को कैसे प्रतिबिंबित करता है और उसे नया रूप देता है। इस सम्मेलन में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों, मीडिया सिद्धांतकारों और सांस्कृतिक अध्ययन विशेषज्ञों ने भाग लिया और भारत और विदेशों से लगभग सौ प्रतिभागियों के साथ विद्वत्तापूर्ण चचाएं और तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान, समानांतर शोध-पत्र सत्र, पैनल चचाएं, गोलमेज सम्मेलन और इंटरैक्टिव कार्यशालाएँ शामिल थीं। मुख्य वक्ताओं ने डिजिटल कहानी-कथन, अंतरराष्ट्रीय साहित्य, मीडिया नैतिकता और अभिलेखीय प्रथाओं पर चर्चा की। विषयगत शोध-पत्र सत्रों में साहित्य, समाज, सामाजिक परिवर्तन, डिजिटल मीडिया, अनुवाद, उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन और वैश्विक मीडिया संदर्भों में गैर-पश्चिमी आख्यानों पर चर्चा की गई, जिसमें पैनल चचाएं नीतिगत निहितार्थों, मीडिया साक्षरता और सांस्कृतिक कूटनीति पर केंद्रित थीं।

उद्घाटन समारोह और विशिष्ट मुख्य वक्ताओं द्वारा उद्घाटन भाषण डॉ. सेदिघे जमानी रूदसारी, अकादमिक समन्वयक/ टीईएसओएल प्रशिक्षक, ऑबर्न ग्लोबल/पाठ्यक्रम और शिक्षण, ऑबर्न विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., आरसीएस चैप्टर प्रमुख- अलबामा, यू.एस.ए., डॉ. शीबा सरदार अली, भारत और सऊदी अरब साम्राज्य में शिक्षण का 15 वर्षों का अनुभव। प्रो. उदय शंकर ओझा, अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर, जे.पी. विश्वविद्यालय छपरा, डॉ. चिराग पटेल, रिसर्च कल्चर सोसाइटी के निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संघ के अध्यक्ष और यूरेशियन विश्वविद्यालय में कार्यक्रम प्रमुख; डॉ. वंदना सिंह, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, पीजी अंग्रेजी विभाग महाराजा कॉलेज, आरा।

समानांतर तकनीकी सत्रों के सत्र अध्यक्ष डॉ. द्विपिका शेखर सिंह, सहायक प्रोफेसर,भूगोल विभाग, डॉ. विदुषी अमेटा, सहायक प्रोफेसर हिंदी, कामेश्वर सिंह दरभंगा. विश्वविद्यालय, डॉ माधवी कुमारी विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग डॉ. स्मृति चौधरी, सहायक प्रोफेसर डॉ आनंद भूषण पांडे, सहायक प्रोफेसर, पीजी विभाग वीकेसेयू, आयोजन समिति और स्वयंसेवक थे। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन समिति के सदस्य शैलेश रंजन, अध्यक्ष, पीजी अंग्रेजी विभाग, महाराजा कॉलेज आरा, डॉ श्रद्धा सिंह, सहायक प्रोफेसर पीजी अंग्रेजी विभाग उपस्थित थे। सहायक प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग महाराजा कॉलेज आरा के अतिथि शिक्षक शाहनवाज आलम एवं शाहरिख हैदर उपस्थित थे। समापन सत्र में महाराजा कॉलेज आरा की प्राचार्या प्रो. कनकलता कुमारी ने साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया तथा स्वदेशी संस्कृतियों और भारतीय संस्कृति के बीच संबंध पर बात की, जो वैश्विक मीडिया के प्रभाव के कारण पीछे छूट रहा है।

शोध विद्वान शशि प्रकाश और हर्ष रंजन और विभागों के अन्य पीजी और यू.जी. छात्रों ने स्वयंसेवकों के रूप में भाग लिया, विभिन्न तकनीकी सत्रों में तकनीकी सहायता डॉ अरविंद कुमार सिंह, भूगोल विभाग, प्रस्तुतकर्ता और मॉडरेटर शशि प्रकाश, हर्ष रंजन, कली सिंह, अंबरीश कुमार, दिव्या कुमारी, सोनल कुमारी, अंकित कुमार, सोनल तिवारी, काजल तिवारी, स्वाति शर्मा, खुशी कुमारी थे। सम्मेलन में महाराजा कॉलेज, आरा के विभिन्न विभागों के संकाय और वीकेएस विश्वविद्यालय के अन्य घटक इकाइयों के कॉलेजों ने भाग लिया।

दैनिक भास्कर

2025-09-21

आरा (2)

कार्यक्रम शहर के द रीगल होटल में अंग्रेजी विभाग द्वारा संचालित किया गया है

समाज और वैश्विक मीडिया पर हुई अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

एजुकेशनरिपोर्टर | आरा

महाराजा कॉलेज, आरा द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन शनिवार को किया गया। यह सेमिनार आरा शहर के द रीगल होटल में अंग्रेजी विभाग द्वारा संचालित किया गया है। जिसका विषय साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया (आईसीएलएसजीएम) -2025 है। समापन समारोह 21 सितंबर को होगा। साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य अंतर-सांस्कृतिक संवाद और अंतःविषय छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है जो इस बात की जांच करता है कि साहित्य तेजी से मीडिया प्रसार के युग में सामाजिक पहचान, सार्वजनिक प्रवचन और सांस्कृतिक स्मृति को कैसे प्रतिबिंबित करता है और उसे नया रूप देता है। इस सम्मेलन में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों, मीडिया सिद्धांतकारों और सांस्कृतिक अध्ययन विशेषज्ञों ने भाग लिया। भारत और विदेशों से लगभग सौ प्रतिभागियों के साथ विद्वतापूर्ण चर्चाएँ और तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान, समानांतर शोध-पत्र सत्र, पैनल चर्चाएं, गोलमेज सम्मेलन और इंटरैक्टिव कार्यशालाएं शामिल थीं। मुख्य वक्ताओं ने डिजिटल कहानी-कथन, अंतरराष्ट्रीय साहित्य, मीडिया नैतिकता और अभिलेखीय प्रथाओं पर चर्चा की। विषयगत शोध-पत्र सत्रों में साहित्य, समाज, सामाजिक परिवर्तन, डिजिटल मीडिया, अनुवाद, उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन और वैश्विक मीडिया संदर्भों में गैर-पश्चिमी आख्यानों पर चर्चा की गई, जिसमें पैनल चर्चाएँ नीतिगत निहितार्थों, मीडिया साक्षरता और सांस्कृतिक कूटनीति पर केंद्रित थीं।

मंच पर उपस्थित विभागाध्यक्ष एवं अन्य

डॉ. सेदिघे जमानी रूदसारी, अकादमिक समन्वयक/टीईएसओएल प्रशिक्षक, ऑबर्न ग्लोबल/पाठ्यक्रम और शिक्षण, ऑबर्न विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., आरसीएस चैप्टर प्रमुख - अलबामा, यू.एस.ए., डॉ. शीबा सरदार अली, भारत और सऊदी अरब साम्राज्य में शिक्षण का 15 वर्षों का अनुभव। प्रो. उदय शंकर ओझा, अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर, जे.पी. विश्वविद्यालय छपरा, डॉ. चिराग पटेल, \'रिसर्च कल्चर सोसाइटी\' के निदेशक, \'अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संघ\' के अध्यक्ष और यूरेशियन विश्वविद्यालय में कार्यक्रम प्रमुख; डॉ. वंदना सिंह, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, पीजी अंग्रेजी विभाग महाराजा कॉलेज, आरा। समानांतर तकनीकी सत्रों के सत्र अध्यक्ष डॉ. द्विपिका शेखर सिंह, सहायक प्रोफेसर,भूगोल विभाग, डॉ. विदुषी अमेटा, सहायक प्रोफेसर हिंदी, कामेश्वर सिंह दरभंगा. विश्वविद्यालय, डॉ माधवी कुमारी विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग जैन कॉलेज आरा, डॉ. स्मृति चौधरी, सहायक प्रोफेसर महिला कालेज आरा व अन्य लोग रहे।

सच्ची बात, बेधड़क दैनिक भास्कर

साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी पीजी विभाग ने की सम्मेलन की मेजबानी

आरा, अंग भारत। साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर आरा के एक निजी होटल में महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी पीजी विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएलएसजीएम 2025 का शनिवार को शुभारंभ किया गया। रविवार को समापन सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की गई। साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएलएसजीएम) के ऑनलाइन सत्र रविवार को संपन्न हुआ। जिसमें दुनिया भर के 45 प्रस्तुतकर्ताओं और उपस्थित लोगों के बीच विद्वानों के विचारों का आदान-प्रदान हुआ। यह कार्यक्रम डिजिटल युग में साहित्य, सामाजिक गतिशीलता और वैश्विक मीडिया के अंतर्संबंधों पर केंद्रित था, जिसे एक गतिशील ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। समानांतर तकनीकी सत्रों के सत्र अध्यक्ष थे डॉ. जे.ए.एच. खत्री, गुजरात, डॉ. प्रदीप कौर राजपाल, पंजाब, डॉ. सिरिकर्ण थोंगमक, अंग्रेजी विभाग, थाकसिन विश्वविद्यालय, थाईलैंड; प्रो. सुनीता सिन्हा, प्राचार्य नालंदा कॉलेज; पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, बिहार; डॉ. गरिमा तिवारी, अंडमान कॉलेज। इस अवसर पर आईसीएलएसजीएम 2025 की संयोजक एवं अध्यक्ष डॉ. वंदना सिंह और संस्कृति एवं समाज अनुसंधान निदेशक डॉ. चिराग पटेल उपस्थित थे।डॉ. वंदना सिंह ने कहा कि इस वर्ष के समूह ने असाधारण विद्वता और साहित्य एवं मीडिया अध्ययन के माध्यम से जटिल वैश्विक मुद्दों से जुड़ने की साहसिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है। डॉ. चिराग पटेल ने कहा कि ऑनलाइन प्रारूपों से विद्वानों के संवाद की समृद्धि कम नहीं होनी चाहिए। आईसीएलएसजीएम अपने समावेशी, संवादात्मक सत्रों के साथ इसके विपरीत साबित करता है।

हाइब्रिड मोड में सम्मेलन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार विजेता

सम्मेलन में नौ प्रतिष्ठित विद्वानों को उनके संबंधित ट्रैक सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें सत्र 1. डॉ. स्मृति चौधरी, सत्र 2. डॉ. संजय चौबे, सत्र 3. डॉ. द्वीपिका शेखर सिंह, सत्र 4. डॉ. आरती कुमारी, सत्र 5. हर्ष रंजन, सत्र 6. शशि प्रकाश, सत्र 7. डॉ. अथिरा नंदन, सत्र 8. पूर्णिमा सिंह परिहार और सत्र 9. अमिता चरण। इन संचालकों और सहकर्मियों ने प्रतिभागियों की कठोरता, मौलिकता और सम्मोहक प्रस्तुति की सराहना की, जिसने इस क्षेत्र में संवाद को आगे बढ़ाया। साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षकों और व्यवसायियों को एक साथ लाता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि साहित्य, सामाजिक संरचनाएँ और मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र समकालीन जीवन को कैसे आकार देते हैं और प्रतिबिंबित करते हैं। 2025 के संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों में पहुँच और सहयोग का विस्तार करने के लिए ऑनलाइन भागीदारी को अपनाया गया। महाराजा कॉलेज की प्राचार्या प्रो कनकलता कुमारी ने कहा कि ऐसे आयोजन समय समय पर होते रहना जरूरी है।

दैनिक भास्कर

आरा 22-09-2025

समाज और वैश्विक मीडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएलएसजीएम- 2025 का हुआ समापन

एजुकेशनरिपोर्टर | आरा

साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएलएसजीएम- 2025 का समापन रविवार को हुआ। सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की गई। साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएलएसजीएम) के ऑनलाइन सत्र में दुनिया भर के 45 प्रस्तुतकर्ताओं और उपस्थित लोगों के बीच विद्वानों के विचारों का आदान-प्रदान हुआ। यह कार्यक्रम डिजिटल युग में साहित्य, सामाजिक गतिशीलता और वैश्विक मीडिया के अंतर्संबंधों पर केंद्रित था, जिसे एक गतिशील ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

समानांतर तकनीकी सत्रों के अध्यक्ष डॉ. जेएएच. खत्री, गुजरात; डॉ. प्रदीप कौर राजपाल, पंजाब; डॉ. सिरिकर्ण थोंगमक, अंग्रेजी विभाग, थाकसिन विश्वविद्यालय, थाईलैंड; प्रो. सुनीता सिन्हा, प्राचार्य नालंदा कॉलेज; पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, बिहार और डॉ. गरिमा तिवारी, अंडमान कॉलेज थे। इस अवसर पर आईसीएलएसजीएम 2025 की संयोजक एवं अध्यक्ष डॉ. वंदना सिंह और संस्कृति एवं समाज अनुसंधान निदेशक डॉ. चिराग पटेल उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करती संयोजक एवं अध्यक्ष डॉ. वंदना सिंह व अन्य

डॉ. वंदना सिंह ने कहा कि इस वर्ष के समूह ने असाधारण विद्वता और साहित्य एवं मीडिया अध्ययन के माध्यम से जटिल वैश्विक मुद्दों से जुड़ने की साहसिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है। डॉ. चिराग पटेल ने कहा कि ऑनलाइन प्रारूपों से विद्वानों के संवाद की समृद्धि कम नहीं होनी चाहिए; आईसीएलएसजीएम अपने समावेशी और संवादात्मक सत्रों के साथ इसके विपरीत साबित करता है। उन्होंने ने बताया कि साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षकों और व्यवसायियों को एक साथ लाता है।

आइसीएलएसजीएम में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागी पुरस्कार के लिए चयनित

आरा. साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आइसीएलएसजीएम 2025 के समापन सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की गयी. यह कार्यक्रम डिजिटल युग में साहित्य, सामाजिक गतिशीलता और वैश्विक मीडिया के अंतर्संबंधों पर केंद्रित था, जिसे एक गतिशील ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. समानांतर तकनीकी सत्रों के सत्र अध्यक्ष थे. डॉ. जेएएच खत्री, गुजरात, डॉ प्रदीप कौर राजपाल, पंजाब डॉ सिरिकर्ण थोंगमक, अंग्रेजी विभाग, थाकसिन विश्वविद्यालय, थाईलैंड प्रो. सुनीता सिन्हा, प्राचार्य नालंदा कॉलेज पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, बिहार डॉ गरिमा तिवारी, अंडमान कॉलेज इस अवसर पर आइसीएलएसजीएम 2025 की

सम्मेलन को संबोधित करतीं अतिथि.

संयोजक एवं अध्यक्ष डॉ. वंदना सिंह और संस्कृति एवं समाज अनुसंधान निदेशक डॉ. चिराग पटेल उपस्थित थे. **हाइब्रिड मोड में सम्मेलन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार विजेता:** सम्मेलन में नौ प्रतिष्ठित विद्वानों को उनके संबंधित ट्रैक सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें डॉ. स्मृति चौधरी,डॉ. संजय चौबे, डॉ. द्वीपिका शेखर सिंह,डॉ आरती कुमारी, हर्ष रंजन, शशि प्रकाश, डॉ. अथिरा नंदन, पूर्णिमा सिंह परिहार, अमिता चरण शामिल हैं. इन संचालकों और सहकर्मियों ने प्रतिभागियों की कठोरता, मौलिकता और सम्मोहक प्रस्तुति की सराहना की, जिसने इस क्षेत्र में संवाद को आगे बढ़ाया.साहित्य, समाज और वैश्विक मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षकों और व्यवसायियों को एक साथ लाता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि साहित्य, सामाजिक संरचनाएँ और मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र समकालीन जीवन को कैसे आकार देते हैं और प्रतिबिंबित करते हैं. 2025 के संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों में पहुंच और सहयोग का विस्तार करने के लिए ऑनलाइन भागीदारी को अपनाया गया. डॉ. वंदना सिंह ने कहा कि इस वर्ष के समूह ने असाधारण विद्वता और साहित्य एवं मीडिया अध्ययन के माध्यम से जटिल वैश्विक मुद्दों से जुड़ने की साहसिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है.